इन्दौर समाज की साधारण सभा संपन्न

राजेन्द्रकुमार जैन टेलीफोन, इन्दौर। श्री गोलालारीय दिगम्बर जैन समाज न्यास की 14वीं साधारण सभा गत वर्ष के आर्थिक प्रतिवेदन की प्रस्तुति एवं आगामी वर्षों में न्यास द्वारा किये जाने वाले विकास कार्यों की योजना को मूर्तरूप देने की चर्चा के साथ साआनंद संपन्न हुई।

मंगलाचरण पश्चात गत वर्ष की साधारण सभा का वाचन सचिव श्री बाहुबली जैन ने किया। आर्थिक प्रतिवेदन का पाठन स्थायी न्यासी श्री खुशालचंद जैन ने किया। अध्यक्ष श्री कोमलचंद ने आगामी वर्षों में किये जाने वाले कार्यों का विस्तृत ब्यौरा प्रस्तुत करते हुए बताया कि समाज का आगामी स्नेह सम्मेलन वर्ष के अंत तक आयोजित करने की योजना है जिसमें देशभर के विद्वानों, उच्च पदों पर आसीन / सेवानिवृत्त व समाज के श्रेष्ठीजनों को आमंत्रित कर सम्मानित करने की योजना है। समाज द्वारा क्रय की गई मंदिरजी एवं बहुउपयोगी एक बीघा भूमि पर शीघ्र ही भूमि शुद्धि की योजना पर कार्य चल रहा है। इस योजना के लिए कमेटी का गठन किया गया है। न्यू देवास रोड स्थित मंदिरजी की व्यवस्था हेतु न्यासी श्री कमलचंद जैन एवं श्री हीरालाल फणीश को स्थानीय समाज के साथ संचालन का भार सौंपा गया है। गोलालारीय दर्शन की संतोषजनक प्रगति पर सदस्यों द्वारा हर्ष व्यक्त करते हुए यह निर्णय लिया गया कि स्थायी कोष के निर्माण हेतु समाज सदस्यों को आजीवन सदस्य बनाया जाये। न्यास एवं गोलालारीय दर्शन के संयुक्त तत्वावधान में आगामी 29 नवम्बर को सिद्धक्षेत्र पवाजी में अखिल भारतीय दिगम्बर जैन विवाह योग्य प्रत्याशियों की पुस्तिका का विमोचन किया जाना है, जिसके पोस्टर एवं प्रविष्टि फार्म देशभर में भेजे जा चुके हैं जिसे स्थानीय प्रतिनिधियों की सहायता से मंदिरजी में लगाया गया है।

समाज की पारिवारिक निर्देशिका का कार्य अंतिम दौर में चल रहा है, जिन सदस्यों ने फार्म जमा नहीं कराये है वे क्षमावाणी कार्यक्रम में अपने फार्म अनिवार्य रूप से जमा करा देवें। निर्देशिका में इन्दौर नगर के साथ मालवा एवं निमाड़ क्षेत्र के परिवारों की जानकारियां भी प्रकाशित की जाना है।

समाज द्वारा उठावना संदेशो का प्रकाशन नईदुनिया एवं दैनिक भास्कर में किया जावेगा। जिन परिवारों द्वारा समाज लागा नियमित नहीं भरा जा रहा है वे इस सुविधा से वंचित रहेंगे। न्यास के संस्थापक कोषाध्यक्ष एवं गोलालारीय दर्शन के सम्पादक श्री राजेन्द्र जैन 'बागो' को समाज के प्रति समर्पण व लगन की भावना का सम्मान करते हुए न्यास द्वारा उन्हें आजीवन स्थायी न्यासी के रूप में मनोनीत किया गया है। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी समाज की सामूहिक क्षमावाणी, प्रतिभाशाली विद्यार्थी एवं तपस्साधना करने वाले सदस्यों का सम्मान 4 अक्टूबर 2015, रविवार को न्यास भवन पर आयोजित किया जावेगा। सभा के समापन पर शांति पाठ का वाचन कर आभार उपाध्यक्ष श्री अशोककुमार जैन ने व्यक्त किया।

संगठन में ही शक्ति है।

यह मुहावरा हम वर्षो से सुनते आ रहे है परन्तु इसका प्रत्यक्ष उदाहरण गत 24 अगस्त को हम सभी ने देखा है। अनेक पंथों में बटी जैन समाज को मुनि प्रमाणसागरजी महाराज ने एकजुटता का पाठ पढ़ाते हुए जैन बंधुओं को उनकी शक्ति का आभास कराया। राजस्थान हाईकोर्ट से संलेखना परम्परा पर रोक लगाने के निर्णय को जैन समाज ने धर्म में अनावश्यक हस्तक्षेप मानते हुए विरोध किया। हर शहर व पंथ के समाजजन अपने अपने तरीके से विरोध कर रहे थे। सोशल मीडिया के द्वारा भी जैन समाज के सदस्य अपना रोष प्रकट कर रहे थे परन्तु बात नहीं बन रही थी। जयपुर में मुनिश्री प्रमाणसागरजी महाराज ने नगर के दिगम्बर एवं श्वेताम्बर जैन समाज के प्रतिनिधियों से चर्चा कर जैन समाज को एकजुट कर सशक्त मौन रैली की रूपरेखा तैयार की। 24 तीर्थंकरों के प्रतीक स्वरूप 24 अगस्त को देशभर के अनेक शहरों में जैन समाज द्वारा अद्वितीय मौन रैली का सफल आयोजन हुआ जिससे प्रभावित होकर जैन समुदाय प्रत्येक वर्ष 24 अगस्त को 'जैन एकता दिवस' के रूप में मनाने का विचार कर रहा है। हमारा नैतिक कर्त्तव्य है कि हम एकता की इस मिसाल को जलाये रखें और आने वाली पीढ़ियों को भी इस मिशन में जोड़ने के लिए प्रेरित करते रहे तभी हम अपने उद्देश्यों को प्राप्त कर पायेंगे। वर्तमान में संथारा संलेखना पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा पूर्वस्थिति हेतु स्टे जारी किया जा चुका है। अपनी एकता को बनाये रख युवा पीढ़ी को साथ लेकर हर नगर में संगठन बनाना पड़ेगे जो धर्मरक्षा के साथ साथ आवश्यकता पड़ने पर समाजजनों की सहायता हेतु सदैव तत्पर रहे। तभी हमारे संगठन अपना पवित्र लक्ष्य प्राप्त कर सकेंगे। 24 अगस्त को रैली में शामिल समाज जनों की अनुमानित उपस्थिति रही – जयपुर 1 लाख * इन्दौर 1.50 लाख * दिल्ली 50 हजार * ललितपुर 70 हजार * रायपुर 25 हजार * दुर्ग 8 हजार * गुवाहाटी 35 हजार * मुंबई 55 हजार * कोटा 15 हजार * सागर 25 हजार * फिरोजाबाद 22 हजार * पटना 9 हजार * आगरा 25 हजार * अलीगढ़ 5 हजार * नागपुर 50 हजार * लखनऊ 15 हजार * झांसी 25 हजार * ग्वालियर 25 हजार * सूरत 75 हजार * पूना 25 हजार * जबलपुर 75 हजार * भिंड 15 हजार * कटनी 15 हजार * भोपाल 50 हजार * गुना 10 हजार * अशोक नगर 10 हजार * विदिशा 10 हजार * उज्जैन 11 हजार * औरंगाबाद 30 हजार * अहमदाबाद 15 हजार * अजमेर 25 हजार * दाहोद 10 हजार।

बधाईयाँ

इन्दौर। पाँडीचेरी में आयोजित ''अंडर 11 गर्ल्स चेस चैम्पियनशिप'' में समाज की प्रतिभावान बालिका नित्यता जैन ने पूरे भारत में पाँचवा स्थान प्राप्त किया है।

11 राउंड की इस स्पर्धा में उन्होंने 6 राउंड जीते, 4 ड्रॉ किये और केवल 1 राउंड हारकर कुल 8 अंक हासिल किये तथा इंटरनेशनल फिडे रेटिंग में 69 इलो पॉईंट्स की वृद्धि की। यह उनका एवं मध्यप्रदेश बालिका वर्ग का राष्ट्रीय शतरंज में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था। इसके लिए उन्हें नगद पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र प्राप्त हुए।

नवोदय शिक्षा एवं समाज कल्याण समिति भोपाल द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय गणित ज्ञान प्रतियोगिता मे कक्षा 8वीं के छात्र हर्ष जैन ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। जिसके फलस्वरूप हर्ष को नगद पुरस्कार से सम्मानित किया गया। हर्ष जैन साधना–सुधीर जैन के सुपुत्र है। उल्लेखनीय है कि हर्ष जैन विगत दो वर्षो से इंटरनेशनल मैथ्स ओलम्पियाड में भाग लेकर गोल्ड मेडल प्राप्त कर चुके है। हर्ष जैन धार्मिक प्रतियोगिताओं में भाग लेकर भी पुरस्कृत किये जाते रहे है।

गोलालारीय दर्शन हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ देता है।

परामर्श प्रमुख

श्री कैलाशचंदजी जैन, झाँसी
श्री जिनेन्द्रकुमारजी जैन, अहमदाबाद
डॉ. श्रेयांस कुमार जैन, बड़ौत, 9837043221
डॉ. कपूरचंद जैन, खतौली, 9412676256

प्रधान संपादक
सिंघई राजेन्द्र जैन, 9407453066

सह संपादिका
श्रीमती अर्चना अजय जैन, 9827796013
श्रीमती अनुपमा रजनीश जैन, 9009066864

कोषाध्यक्ष –
सुरेश कुमार जैन, 9827254111

प्रबंध संपादक
राजेन्द्र कुमार जैन, सायकलवाले, 9425353972
खुशालचन्द जैन, 9302123679
कोमलचंद जैन, 9329524227
(संयोजक एवं प्रकाशक)
बाहुबली जैन, 9827247647

शिरोमणि संरक्षक, परम संरक्षक अपना संक्षिप्त परिचय सपत्नीक फोटो सहित एवं संरक्षक तथा विशेष सहयोगी सदस्य अपना संक्षिप्त परिचय फोटो सहित भेजे ताकि प्रकाशन किया जा सके।

*** संरक्षक ***
सीए अभयकुमार जैन, विदिशा

*** विशेष सहयोगी ***
मुन्नालाल जैन, ललितपुर
ए.एल. फणीश, विदिशा, संतोष जैन, विदिशा

*** आजीवन सदस्य ***
सुबोध भंडारी, भोपाल
राकेश जैन, सुरेन्द्र जैन, वीरेन्द्र जैन,
जिनेन्द्र जैन, जिनेश्वर जैन, वीरेन्द्र जैन, विदिशा
प्रवीणकुमार जैन, उज्जैन, अशोक जैन, मणिनगर

सदस्यता शुल्क

शिरोमणि संरक्षक (अ.जा.)	21000/-
परम संरक्षक (अ.जा.)	11000/-
संरक्षक (अ.जा.)	5100/-
विशेष सहयोगी (अ.जा.)	2100/-
आजीवन शुल्क (अ.जा.)	1100/-
सहयोग राशि	500/-

आप 'गोलालारीय दर्शन' के बैंक खाते में सहयोग राशि स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के खाता क्र. 63048875865 IFSC Code: SBIN0030134 में बैंक द्वारा ही जमा कर स्लीप की फोटोकॉपी व अपना नवीन फोटो मय जानकारी के हीरालाल एण्ड संस, 16 महारानी रोड व कार्यालय पते पर अवश्य भेजें ताकि आपको रसीद भेज कर आपका विवरण प्रकाशित किया जा सके।

नोट – 8 मार्च 2014 से अन्य शहरों से जमा की जाने वाली राशी पर बैंक शुल्क न्यूनतम 50 रु. कर दिया है।

अतः बायोडाटा शुल्क मल्टीसिटी चेक के द्वारा ही पत्रिका के पते पर भेजे।

विज्ञापन शुल्क (B&W)

अंतिम पेज	6000/-
फ्रन्ट पेज (कंवर)	5000/-
1/2 पेज	3000/-
1/4 पेज	1500/-
मांगलिक बधाई फोटो सहित	2000/-
शोक संदेश फोटो सहित	1000/-
बॉयोडाटा फोटो सहित	200/-

बायोडाटा, समाचार व अन्य कोई जानकारी पत्रिका में प्रकाशित करने हेतु गोलालारीय दर्शन द्वारा श्री राजेन्द्रकुमार जैन, हीरालाल एण्ड संस, 16 महारानी रोड या पत्रिका कार्यालय इन्दौर पर भे